BPYE-002

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP Philosophy)

Term-End Examination

June, 2021

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPYE-002 : TRIBAL AND DALIT PHILOSOPHY

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answers to questions no. **1** and **2** should be in about 400 words each.*

1. Explain the role of Folklore in Tribal life. *20*

OR

Critically evaluate the values and the moral sense of the Tribals. *20*

2. How is violence against Dalits systematically institutionalised ? Discuss the constitutional remedies for the same. *20*

OR

Critically analyse how Dalits are marginalised in India. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

(a) Explain the nature of social organisation and the administration of Tribals. *10*

(b) Elucidate Tribals' spiritual outlook on nature. *10*

(c) Critically examine Manu's position on caste system. *10*

(d) Explain Gramscian concept of Hegemony. *10*

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Describe the Kinship system. *5*

(b) Write a note on the origin of the Munda race. *5*

(c) Explain the marriage negotiations among Tribals. *5*

(d) What are the ways of empowering Dalits ? *5*

(e) Write a note on 'Subaltern historiography'. *5*

(f) Narrate Ambedkar's views on caste system. *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Oraon Tribes *4*

(b) Phagua Festival *4*

(c) Tribal Morality *4*

(d) Cosmotheandrism *4*

(e) Dalit Identity *4*

(f) Notion of Impurity *4*

(g) Dalit Solidarity *4*

(h) Social Structures of Violence *4*

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शनशास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2021

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वाई.ई.-002 : जनजातीय और दलित दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में होने चाहिए ।*

---

1. जनजातीय जीवन में लोक साहित्य की भूमिका की व्याख्या कीजिए । *20*

अथवा

जनजातियों के मूल्यों और नैतिक समझ का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए । *20*

2. दलितों के विरुद्ध हिंसा को किस प्रकार पद्धतिगत ढंग से संस्थानिक किया गया है ? इसे रोकने के लिए संविधानिक उपचारों पर चर्चा कीजिए । *20*

अथवा

भारत में दलित किस प्रकार हाशिये पर ढकेले गए हैं ? आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) जनजातियों के सामाजिक संगठन और प्रशासन की प्रकृति की व्याख्या कीजिए । *10*

(ख) जनजातियों के प्रकृति के प्रति आध्यात्मिक दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए । *10*

(ग) जाति प्रथा के सम्बन्ध में मनु की स्थिति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए । *10*

(घ) ग्राम्सकी की अधिपत्य (Hegemony) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) नातेदारी व्यवस्था का वर्णन कीजिए । *5*

(ख) मुण्डा जनजाति की उत्पत्ति पर एक टिप्पणी लिखिए । *5*

(ग) जनजातियों में वैवाहिक मोल-भावों की व्याख्या कीजिए । *5*

(घ) दलितों के सशक्तिकरण के क्या तरीके हैं ? *5*

(ङ) 'पददलित (अधीनस्थ) इतिहास-लेखन' पर टिप्पणी लिखिए । *5*

(च) जाति व्यवस्था पर अम्बेडकर के विचारों को प्रस्तुत कीजिए । *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) ओरॉव जनजाति *4*

(ख) फगुआ त्योहार *4*

(ग) जनजातीय नैतिकता *4*

(घ) कॉस्मोथियेन्ड्रिज़्म (Cosmotheandrism) *4*

(ङ) दलित पहचान *4*

(च) अशुद्धता की अवधारणा *4*

(छ) दलित एकजुटता *4*

(ज) हिंसा का सामाजिक ढाँचा *4*